गीत : श्री गीता

-बिमल तिवारी "आत्मबोध"
स्वतंत्र लेखन , साहित्य एवं सिनेमा में गहरी रुचि, देवरिया, उत्तर प्रदेश
https://sahityacinemasetu.com/geet-shri-gita/

वेदों का उपकार है गीता
उपनिषदों का सार है गीता
पढ़कर जीवन सफल हो जाये
जीवन का आधार है गीता॥

भौतिकता से दूर है गीता
अध्यात्मिकता की उर है गीता
मानव चले गर गीता पथ पर
विषाद का उसके संहार है गीता॥

सत पथ पर ले जाती गीता
मझधार से खींच के लाती गीता
गर विश्वास हो गीता पर तो
भव से पार लगाती गीता ।।